Antipsychotic Drugs

मनोविकार रोधी दवाएँ (एंटीसाइकोटिक्स)

मनोविकार रोधी दवाएँ क्या हैं?

मनोविकार रोधी दवाएँ दवाओं का एक समूह है जिसका उपयोग कुछ प्रकार की मानसिक बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता है जिनके लक्षणों में मनोविकृति संबंधी अनुभव शामिल होते हैं, जैसे स्किज़ोफ्रेनिया, द्विध्रुवी विकार और व्यक्तित्व विकार (पर्सनैलिटी डिसऑर्डर)। मनोविकृति के लक्षण मस्तिष्क में कुछ रसायनों में परिवर्तन से जुड़े होते हैं, जिनमें डोपामाइन, सेरोटोनिन, नॉरएड्रेनालिन और एसिटाइलकोलीन शामिल हैं। मनोविकृति रोधी दवाएँ इन रसायनों के प्रभाव को बदलकर मनोविकृति के लक्षणों को दबाती हैं।

मनोविकार रोधी दवाओं के दो मुख्य प्रकार हैं:

- **फर्स्ट जनरेशन एंटीसाइकोटिक्स (FGAs)**
  इन दवाओं को कभी-कभी पारंपरिक मनोविकृति रोधी दवाएँ कहा जाता है। पहली मनोविकृति रोधी दवा क्लोरप्रोमाज़िन है जिसका विकास 1950 के दशक में हुआ था और बाद के वर्षों में कई समान दवाएँ विकसित की गईं। इनमें से कई का उपयोग आज भी जारी है।
- **सेकंड जनरेशन एंटीसाइकोटिक्स (SGAs)**
  इन दवाओं को अक्सर एटिपिकल एंटीसाइकोटिक्स के रूप में जाना जाता है और ये FGAs से अलग दुष्प्रभाव पैदा कर सकती हैं।

मनोविकार रोधी दवाओं के सामान्य दुष्प्रभाव क्या हैं?

1. **एंटीकॉलीनर्जिक दुष्प्रभाव**
    - मुँह सूखना
    - धुंधली दृष्टि
    - कब्ज़
    - अत्यधिक नींद या सुस्ती
2. **गतिविधि के दुष्प्रभाव**
    - कंपन
    - धीमी गतिविधि
    - बेचैनी
    - मांसपेशियों में अकड़न और जकड़न
    - अचानक मांसपेशियों में ऐंठन
    - अनैच्छिक गतिविधियाँ
3. **यौन दुष्प्रभाव**
    - कामेच्छा में कमी
    - यौन रोग
    - मासिक धर्म चक्र में व्यवधान
    - स्तनों में सूजन
4. **चयापचय संबंधी दुष्प्रभाव**
    - भूख में वृद्धि
    - वज़न बढ़ना
    - रक्त शर्करा, कोलेस्ट्रॉल, रक्तचाप में वृद्धि

आमतौर पर, FGAs लेने वाले रोगियों में एंटीकॉलीनर्जिक, गतिविधि और यौन संबंधी दुष्प्रभाव अधिक देखे जाते हैं; जबकि SGAs आमतौर पर चयापचय संबंधी दुष्प्रभाव उत्पन्न करते हैं। इन दुष्प्रभावों का अनुभव करने वाले रोगियों को वैकल्पिक उपचार, मनोविकार रोधी उपचारों में समायोजन और जीवनशैली में बदलाव की सलाह दी जा सकती है।

क्लोज़ापीन क्या है?

क्लोज़ापीन एक सगा है और इसका उपयोग आमतौर पर उन मरीज़ों के इलाज के लिए किया जाता है जिन पर दो या अधिक मनोविकार रोधी दवाओं का पर्याप्त प्रभाव नहीं पड़ा हो या जो दुष्प्रभावों के कारण अन्य मनोविकार रोधी दवाओं को सहन नहीं कर पाए हों। अन्य मनोविकार रोधी दवाओं (FGAs और SGAs दोनों) की तुलना में, क्लोज़ापाइन मनोविकृति के लक्षणों को कम करने में काफ़ी अधिक प्रभावी पाया गया है और यह मांसपेशियों पर होने वाले दुष्प्रभावों से कम जुड़ा है। हालाँकि, यह दुर्लभ लेकिन गंभीर और जानलेवा दुष्प्रभाव पैदा कर सकता है, जिनमें गंभीर न्यूट्रोपेनिया (सफेद रक्त कोशिकाओं की अत्यधिक कमी), स्थिति बदलने पर अचानक रक्तचाप गिरना, दौरे और हृदय की सूजन शामिल हैं। इसलिए, क्लोज़ापाइन लेने वाले रोगियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, उनकी बारीकी से निगरानी, नियमित रक्त परीक्षण और डॉक्टर से मिलना आवश्यक है। इसके अलावा, धूम्रपान या कैफीन पीने की आदतों में अचानक बदलाव क्लोज़ापाइन के प्रभावों को प्रभावित कर सकता है।

मनोविकार रोधी दवाओं के प्रशासन के तरीके क्या हैं?

हांगकांग में मनोविकार रोधी दवाओं के प्रशासन के विभिन्न तरीके उपलब्ध हैं और इनका उपयोग विभिन्न परिस्थितियों में किया जा सकता है। ये मौखिक और इंजेक्शन द्वारा दी जाने वाली दवाएं हैं।

मौखिक दवाओं में गोलियाँ, कैप्सूल और मुँह में घुलने वाली गोलियाँ शामिल हैं। इन्हें आमतौर पर नियमित इलाज के रूप में या आवश्यकतानुसार दैनिक आधार पर लिया जाता है।

इंजेक्शन द्वारा दी जाने वाली दवाओं को अल्पकालिक इंजेक्शन और दीर्घकालिक इंजेक्शन (जिसे डिपो भी कहा जाता है) के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। अल्पकालिक इंजेक्शन रक्त वाहिकाओं या मांसपेशियों में इंजेक्ट किए जा सकते हैं और आमतौर पर मनोविकृति या तीव्र उत्तेजना के प्रबंधन के लिए उपयोग किए जाते हैं। डिपो को मांसपेशियों में इंजेक्ट किया जाता है और आमतौर पर मरीज़ की दवा लेने की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए मनोविकार रोधी रोज़ाना नियमित इलाज के रूप में उपयोग किया जाता है। दवा के आधार पर, डिपो आमतौर पर हर चार सप्ताह में दिए जाते हैं।

मनोविकार रोधी दवा शुरू करने से पहले मुझे किन परीक्षणों की आवश्यकता है?

मनोविकार रोधी दवा शुरू करने से पहले, आपके डॉक्टर को आपके स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए विभिन्न परीक्षण करने चाहिए ताकि यह पता लगाया जा सके कि कोई मनोविकार रोधी दवा आपके लिए उपयुक्त है या नहीं।

- पूर्व चिकित्सा इतिहास और जीवनशैली की जानकारी
- शारीरिक जांच
- रक्त जांच
- इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ECG)

मुझे कितने समय तक मनोविकार रोधी दवाएँ लेनी होंगी?

उपचार की अवधि आपकी मानसिक बीमारी की प्रगति पर निर्भर करती है। आमतौर पर, तीव्र प्रथम मनोविकृति प्रकरण से उबरने के बाद उपचार जारी रहता है ताकि पुनरावृत्ति को रोका जा सके, या पुनरावृत्ति की संख्या और गंभीरता को कम किया जा सके। रोग की अवधि और व्यक्तिगत विशेषताओं के आधार पर, कुछ मनोचिकित्सक ठीक होने के 1-2 साल बाद मनोविकार रोधी दवाएँ बंद करने का सुझाव दे सकते हैं, जबकि कुछ इस अंतराल के बाद भी जारी रखने का सुझाव दे सकते हैं।

मुझे अपनी मनोविकार रोधी दवाएँ कैसे बंद करनी चाहिए?

रोगियों को अपने मनोचिकित्सक के मार्गदर्शन और निगरानी में ही धीरे-धीरे और सुरक्षित रूप से अपनी मनोविकार रोधी दवाएँ बंद करनी चाहिए। यह संभव है कि मनोविकार रोधी दवाएँ बंद करते समय मनोविकृति के लक्षण वापस आ जाएँ, और रोगियों को मनोविकार रोधी दवाओं के उपयोग में उल्लेखनीय कमी या बंद करने के बाद पहले कुछ दिनों के भीतर कई तरह के आदत के लक्षणों का अनुभव हो सकता है। सामान्य वापसी के लक्षणों में शामिल हैं:

- बेचैनी, चिड़चिड़ापन और उत्तेजना
- भूख में कमी
- मतली, उल्टी और दस्त
- नींद में कठिनाई
- मूड में उतार-चढ़ाव और चिंता
- मांसपेशियों में दर्द
- सिरदर्द
- कंपकंपी और पसीना

अगर मरीज़ अपनी डिमेंशिया की दवाएँ लेने से इनकार कर दे, तो देखभाल करने वालों को क्या करना चाहिए?

अगर कोई मरीज़ अपनी दवा लेने से इनकार करता है, तो देखभाल करने वालों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे धैर्य और समझदारी से इस स्थिति का सामना करें। खुलकर बातचीत करना सबसे जरूरी है। दवा की महत्ता, इससे होने वाले लाभ और दवा न लेने से होने वाले संभावित जोखिमों के बारे में चर्चा करें। अगर मरीज़ फिर भी मना करता है, तो डॉक्टर या किसी मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ को बातचीत में शामिल करना मददगार हो सकता है। वे आगे की जानकारी और आश्वासन दे सकते हैं या ज़रूरत पड़ने पर वैकल्पिक उपचार सुझा सकते हैं। याद रखें, मरीज़ की स्वायत्तता और भावनाओं का सम्मान करते हुए उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा का भी ध्यान रखना ज़रूरी है।

करें
1. डॉक्टर के निर्देशों का सख्ती से पालन करें।
2. दवा लेने से पहले दवा का नाम, मात्रा और कितनी बार लेनी है, उस पर ध्यान दें।
3. पर्चे के लेबल को ध्यान से पढ़ें।
4. मात्रा, संकेत, निषेध और दुष्प्रभावों पर ध्यान दें।
5. दवा लेने की विधि समझें।
6. दवाओं को सही ढंग से स्टोर करें।
7. यदि डॉक्टर द्वारा कोई और निर्देश न दिया जाए, तो निर्धारित कोर्स पूरा करें।
8. यदि कोई सवाल हो, तो परिवार से बात करें और अपने स्वास्थ्य सेवा विशेषज्ञ से सलाह लें।

न करें
1. अपनी मर्ज़ी से दवा की मात्रा न बदलें।
2. डॉक्टर की सलाह के बिना दवा लेना बंद न करें।
3. दवा के साथ शराब का सेवन न करें।
4. दवा को किसी दूसरी बोतल में न रखें।
5. बिना डॉक्टर की सलाह के अन्य दवाएं न लें।
6. दवा लेने के बारे में डॉक्टर से झूठ न बोलें।

यह दस्तावेज़ मूल अंग्रेजी संस्करण का अनुवाद है। किसी भी विसंगित या असंगतता की स्थिति में, अंग्रेजी संस्करण मान्य होगा।